Dr. Vinod Baitha
Deptt. of Economics
Marwari college Darbhanga

Economics D.II Hons Lecture N. 8

समष्टि अर्थशास्त्र से आप क्या समझते हैं ? इसके क्षेत्र की विवेचना कीजिए।

What do you understand by Macro Economics ? Explain its scope

अर्थशास्त्र का व्यापक एवं विस्तृत अध्ययन के लिए अर्थशास्त्र को दो भागों में बाँटा जाता है। सूक्ष्म एवं व्यापक के द्वारा अर्थशास्त्र का व्यापक एवं विस्तृत अध्ययन किया जाता है। वृहत या व्यापक अर्थशास्त्र का संबंध सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था से होता है Macro का अर्थ व्यापक या बड़ा, अतः व्यापक अर्थशास्त्र का संबंध सम्पूर्ण अर्थ-व्यवस्था की समस्या या आर्थिक क्रियाकलाप से होता है। यह वैसे चरों Variable का अध्ययन एवं विश्लेषण करता है। जिसका संबंध सम्पूर्ण देश से होता है। उदाहरण के लिए राष्ट्रीय आय, बेकारी, कुल बचत, कुल निवेश, कुल उत्पादन, आदि इस तरह इसका संबंध कुल Whole या समग्रता से होता है। इसे मौद्रिक अर्थशास्त्र भी कहा जाता है। स्टोनियर तथा हेग ने ठीक ही कहा है "व्यापक अर्थशास्त्र अर्थ-व्यवस्था को सम्पूर्णता से देखता है।" Macro Economics Looks at The Economy as a whole प्रो० बोल्डिंग के अनुसार "व्यापक अर्थशास्त्र में व्यक्तिगत मात्राओं का अध्ययन नहीं किया जाता है बल्कि इन मात्राओं के योग का अध्ययन किया जाता है जिसका संबंध व्यक्तिगत आय से नहीं बल्कि राष्ट्रीय आय से होता है व्यक्तिगत कीमत से नहीं बल्कि सामान्य कीमत स्तर से होता है।" Macro Economics deals not with individual quantities as such but with Aggregates of These quantities. not with individual Incomes but with National Income. not with individual output but with National output. प्रमुख अर्थशास्त्री प्रो० अल्फ्रेड मार्शल ने अर्थशास्त्र को परिभाषित करते हुए लिखा है "अर्थशास्त्र जीवन के साधारण व्यवसाय के सम्बंध में मानव जाति का अध्ययन करता है।" समष्टिगत अर्थशास्त्र में हम जीवन के साधारण व्यवसाय का सामूहिक रूप से अध्ययन करते हैं। अर्थात् हम समस्त अर्थव्यवस्था के व्यवहार का अध्ययन करते हैं" मैक्रो Macro शब्द ग्रीक भाषा के मैक्रोस Makros से बना है। जिसका अर्थ है बड़ा, इस प्रकार मैक्रो बड़े समूह से संबंधित है। अतः समष्टिगत अर्थशास्त्र में सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था से संबंधित समूहों जैसे, राष्ट्रीय आय, राष्ट्रीय बचत, राष्ट्रीय विनियोग, कुल रोजगार, कुल उत्पादन व सामान्य कीमत स्तर आदि का अध्ययन किया जाता है। प्रमुख अर्थशास्त्री गार्डनर एकले के अनुसार "समष्टिगत अर्थशास्त्र का सम्बंध इस प्रकार के तत्वों से है जैसे किसी अर्थव्यवस्था का कुल उत्पादन, उसके साधनों का किस सीमा तक उपयोग हो रहा है राष्ट्रीय आय का आकार तथा सामान्य कीमत स्तर"

P.T.O

Scanned with CamScanner

अर्थशास्त्री प्रो० बोपिरी के अनुसार '' समष्टिगत अर्थशास्त्र सारी अर्थव्यवस्था के कार्य करण से संबंधित है।

इस प्रकार अनेक अर्थशास्त्रियों के मतों के अनुसार समष्टिगत अर्थशास्त्र की एक उपयुक्त परिभाषा इस प्रकार से दी जा सकती है। '' समष्टिगत अर्थशास्त्र आर्थिक विश्लेषण की वह शाखा है जो कि समस्त अर्थव्यवस्था से संबंधित बड़े योगों एवं औसतों का उनके व्यवहार का व उनके पारस्परिक संबंधों का अध्ययन करती है।

समष्टि अर्थशास्त्र में अर्थशास्त्र से संबंधित बड़े से बड़े उद्योगों राष्ट्रीय आय, कुल रोजगार राष्ट्रीय बचत, राष्ट्रीय विनियोग, कुल उत्पादन, सामान्य कीमत स्तर आदि का अध्ययन किया जाता है

व्यापक, वृहत, समष्टि अर्थशास्त्र के क्षेत्र में निम्नलिखित विषयों का अध्ययन किया जाता है।

1. राष्ट्रीय आय का सिद्धान्त — समष्टि अर्थशास्त्र में राष्ट्रीय आय की धारणा, उनके विभिन्न तत्वों, माप की विधियों, का अध्ययन किया जाता है। साथ ही यह इस बात की व्याख्या करता है कि दीर्घकाल में राष्ट्रीय आय में वृद्धि किन तत्वों पर निर्भर करती है। राष्ट्रीय आय को कैसे बढ़ाया जाय। राष्ट्रीय आय के सिद्धान्तों का विस्तृत अध्ययन किया जाता है।
2. रोजगार का सिद्धान्त — समष्टि अर्थशास्त्र में रोजगार निर्धारण के विभिन्न तत्वों की व्याख्या की जाती है। जैसे प्रभाव पूर्ण मांग, कुल पूर्ति, कुल उपभोग, कुल विनियोग, कुल बचत, गुणक आदि का विस्तृत अध्ययन किया जाता है। इसमें बेरोजगारी तथा रोजगार की समस्याओं का अध्ययन किया जाता है। रोजगार किन-किन क्षेत्रों में पैदा होगा इसकी विशेष व्याख्या की जाती है।
3. मुद्रा की पूर्ति का सिद्धान्त — समष्टि अर्थशास्त्र में मुद्रा की पूर्ति के विभिन्न संघटकों और उनके अर्थव्यवस्था पर प्रभाव का विशेष अध्ययन किया जाता है मुद्रा की पूर्ति के सभी आयामों का क्रमबद्ध अध्ययन किया जाता है। जिससे अर्थव्यवस्था की स्थिति का पता चलता है।
4. सामान्य कीमत स्तर का सिद्धान्त — समष्टि अर्थशास्त्र में यह सिद्धान्त थोक एवं उपभोक्ता सामान्य कीमत स्तर में परिवर्तन अर्थात मुद्रा स्फीति और अवस्फीति का अध्ययन करता है।
5. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का सिद्धान्त — समष्टि अर्थशास्त्र विभिन्न देशों के बीच अन्तर्राष्ट्रीय संबंध, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, व्यापार के मूल्य एवं मात्रा, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की दिशा, व्यापार की आवश्यक शर्तें, शर्तों का अनुपालन विनिमय दरों का निर्धारण आदि अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से संबंध सभी आवश्यक बातों का अध्ययन करता है।
6. आर्थिक विकास का सिद्धान्त — समष्टिगत अर्थशास्त्र में विकास अर्थात प्रतिव्यक्ति आय, वास्तविक आय में होने वाले वृद्धि से सम्बंधित समस्याओं का अध्ययन करता है।
7. वितरण का समष्टिगत सिद्धान्त — समष्टिगत अर्थशास्त्र के अन्तर्गत अर्थव्यवस्था

Scanned with CamScanner

के वितरण से समष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धान्त का भी अध्ययन किया जाता है। इस सिद्धान्त से ज्ञात होता है कि राष्ट्रीय आय में उत्पादन के विभिन्न साधनों का हिस्सा किस प्रकार निर्धारित होता है। अर्थात् मजदूरों को कितना भाग प्राप्त होगा इसी तरह उत्पादन के अन्य साधनों उद्यमियों तथा भूमिपतियों को कितना भाग प्राप्त होगा। पूंजी का ब्याज कितना होगा। इसका संबंध आय के आवंटन वितरण से भी है।

इस तरह स्पष्ट है कि समष्टि अर्थशास्त्र में हम वैसी समस्याओं का अध्ययन एवं विश्लेषण करते हैं। जिसका संबंध सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था से होता है। जिसमें सम्पूर्ण राष्ट्रीय आय, कुल रोजगार, कुल बचत, कुल निवेश इत्यादि होते हैं जिनका संबंध किसी छोटे इकाई से न होकर समग्रता या सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था से होता है। इस प्रकार व्यापक अर्थशास्त्र में सम्पूर्णता प्रदर्शित होता है।